



www.agrabharat.in

वर्ष: 19

अंक: 108

आगरा, मंगलवार 05 अक्टूबर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

नई सोच का अखबार

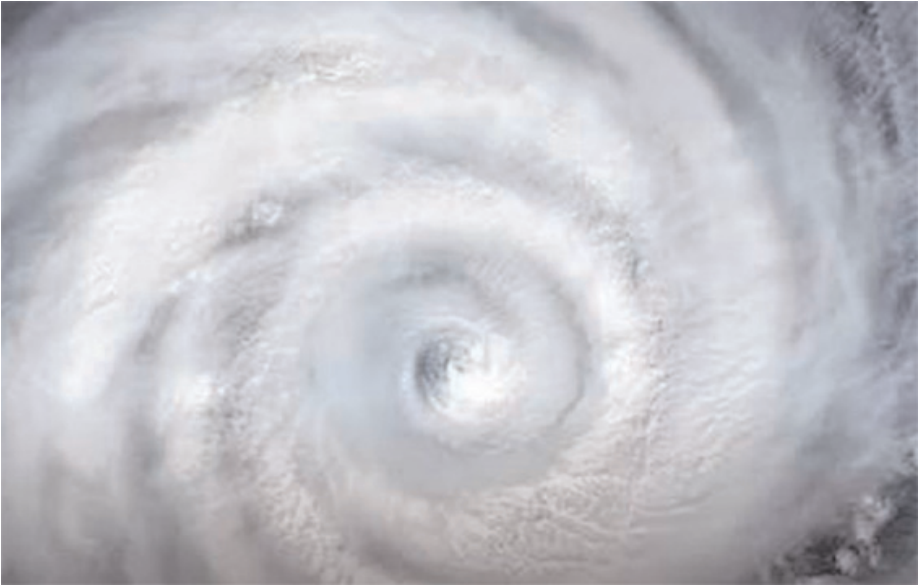
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



सुपर टाइफून में बदला तूफानी दैत्य, दुनिया में बढ़ी चिंता प्रशांत में प्रचंड नोलो मचा रहा कोहराम!

नई दिल्ली(ए)। प्रशांत महासागर में सक्रिय शक्तिशाली चक्रवात नोलो अब एक भयानक सुपर टाइफून में तब्दील हो चुका है, जिसकी बढ़ती ताकत ने दुनियाभर के मौसम वैज्ञानिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तूफानी दैत्य अब तक के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक बन चुका है, जो अपने रास्ते में आने वाले हर इलाके को तबाह करने की क्षमता रखता है। 4 अक्टूबर, 2026 को नोलो मारो रीफ से लगभग 655 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था, जो लगभग 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से पश्चिम की ओर तेजी से बढ़ रहा था। इसके केंद्र में न्यूनतम वायुदाब करीब 963 हेक्टोपास्कल दर्ज किया गया, जो इसकी असाधारण ताकत का प्रमाण है।

अगले 24 घंटे इस तूफानी प्रणाली के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि पूर्वानुमान है कि इसकी अधिकतम लगातार हवाओं की रफतार 5 अक्टूबर की शाम तक 215 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे यह और भी विनाशकारी रूप



ले लेगा। चक्रवात नोलो के केंद्र से लगभग 55 किलोमीटर के दायरे में तूफानी हवाएं (हरीकेन-फोर्स विंड्स) दर्ज की जा रही थीं, जबकि 240 किलोमीटर तक के बड़े क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय-तूफान स्तर की हवाएं

चल रही थीं। इसके प्रभाव से समुद्र में काफी ऊँची लहरें और शक्तिशाली स्खेल पैदा हो रहे हैं, जिसका सीधा असर मरीन नेशनल मॉन्यूमेंट जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों ने गहरी आशंका जताई

है कि आने वाले दिनों में मारो रीफ से लेकर लिसियांस्की द्वीप तक कुछ निचले एटोल में समुद्री जल ऊपर तक आ सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर तटीय इलाकों में बाढ़ और कटाव का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि, भारतीय

मौसम पर इसका तत्काल कोई असर होने की संभावना नहीं है, लेकिन वैश्विक मौसम पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, नोलो का अंदरूनी हिस्सा फिलहाल बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिसमें इसके केंद्र के चारों ओर एक नया बाहरी बादलों का घेरा बन रहा है, जिसे आईवॉल बदलने की प्रक्रिया कहते हैं। समुद्र की सतह का तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस है और तिरछी हवा का दबाव कम है, जो तूफान को मजबूत बनाए रखने में मदद कर रहा है। लेकिन, 6 और 7 अक्टूबर के आसपास स्थिति बदलने का अनुमान है। उत्तर-पूर्वी दिशा से बढ़ने वाली तेज हवाएं और मध्य वायुमंडल में मौजूद बेहद शुष्क हवा नोलो के केंद्र को कमजोर कर सकती है, जिससे आने वाले दिनों में इसकी ताकत में कमी आने की संभावना है। फिर भी, यह तूफानी दैत्य अगले कुछ दिनों तक प्रशांत महासागर में एक बड़ा खतरा बना रहेगा, और इस पर दुनिया भर की निगाहें बनी हुई हैं।

भारत का दांव: 20 और देशों में बनेगा डिफेंस विंग

नई दिल्ली(ए)। दुनिया में भारत को एक शक्तिसंपन्न देश की नजर से देखा जा रहा है। ये ताकत और बड़े इसके लिए भारत निरंतर काम कर रहा है। रक्षा से लेकर रिसर्च तक में आगे बढ़ने की ललक ने ही दुनिया ध्यान अपनी तरफ खींचा है। अब भारत दुनिया के छोटे-बड़े देशों के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने की तैयारी में है। इसके तहत अगले पांच वर्षों में 20 और देशों में भारतीय दूतावासों के साथ रक्षा शाखाएं (डिफेंस विंग) स्थापित की जाएंगी। इन शाखाओं में डिफेंस अटैची और रक्षा सलाहकारों की नियुक्ति की जाएगी। एक सरकारी दस्तावेज के अनुसार, पहले चरण में पोलैंड, अल्जीरिया, इथियोपिया और मोजाम्बिक समेत 10 देशों में डिफेंस विंग स्थापित किए जाएंगे। दूसरे चरण में मोरक्को, मैक्सिको, कंबोडिया और रवांडा जैसे देश शामिल किए जाएंगे। रक्षा शाखाएं खोलने में उन देशों को तरजीह दी जा रही है जो भारत से रक्षा सामग्री खरीदने में रुचि रखते हैं, लेकिन वहां अभी भारतीय डिफेंस अटैची तैनात नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार अभी 52 देशों में स्थित भारतीय दूतावासों में रक्षा शाखाएं हैं। रक्षा कूटनीति के बिस्तार के लिए सरकार ने दो चरणों में 20 और देशों को इसमें शामिल करने का फैसला किया है। इनमें अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका के देश प्रमुख हैं।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो अपराधी को पैर में लगी गोली

नई दिल्ली,(ए)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में रविवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो कुख्यात अपराधी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस और अपराधियों के बीच दोनों तरफ से करीब 26 राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दोनों घायल अपराधियों को हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि उस्मानपुर इलाके में नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम के साथ मुठभेड़ में दो कथित अपराधियों के पैर में गोली लगी। आरोपियों की पहचान मोहम्मद कैफ और मोहम्मद जसीम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक स्पेशल टीम को जानकारी मिली थी कि दोनों आरोपी उस्मानपुर में अपने घर जंगल के रास्ते से पहुंचने वाले हैं। इस जानकारी के आधार पर टीम ने इलाके में जाल बिछाया। पुलिस ने बताया कि जब दोनों वहां पहुंचे, तो उन्होंने टीम को देखकर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं। हालांकि, दोनों अधिकारी सुरक्षित हैं। दोनों घायल अपराधियों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस अब उनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है, साथ ही अन्य बड़े अपराधों में उनकी कथित संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

इससे पहले गोगी-दीपक बॉक्सर गैंग के एक शार्प-शूटर अंकित गुलिया को फायरिंग के बाद गिरफ्तार किया गया था। अंकित 9 आपराधिक मामलों में वॉन्टेड था। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उसके पास से .32 बोर की एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए। इस साल जुलाई में, दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि रोहिणी जिले के स्पेशल स्टॉफ को आरोपियों के बारे में पक्की जानकारी मिली थी, जिसके बाद निगरानी का ऑपरेशन शुरू किया गया। इस जानकारी के आधार पर टीम ने सदिरधों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि तीनों आरोपी टारगेटेड किलिंग की योजना बना रहे थे, तभी उन्हें रोका और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि शूटरों को विदेश में मौजूद नेटवर्क से निर्देश मिल रहे थे, जिसमें उन्हें योजना के मुताबिक हमला करने के लिए कहा गया था।

नीतीश कुमार पहुंचे ललन सिंह के घर, अनंत सिंह-

नीरज कुमार विवाद का निकल सकता है हल?

पटना,(ए)। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर जेडीयू विधायक अनंत सिंह और पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के बीच पूर्व सीएम नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ललन सिंह दिल्ली रवाना होने से पहले उनका जवाब आ सकता है।

तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में देरी से वायुसेना को नुकसान, एयर चीफ मार्शल ने जताई चिंता

नई दिल्ली(ए)। भारतीय वायु सेना (एआईएफ) के एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि देश में निर्मित तेजस लड़ाकू विमानों की शामिल करने में हो रही अत्यधिक देरी से वायुसेना को गंभीर नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रहा है जब सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए हवाई ताकत और भी अधिक आवश्यक होती जा रही है, जबकि लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन की संख्या लगातार कम हो रही है। वायु सेना दिवस से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आईएएफ प्रमुख ने जोर दिया कि वायु सेना को अगले कुछ वर्षों तक हर साल कम से कम 36-40 लड़ाकू जेट शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश में बने तेजस मार्क-1ए विमानों और मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम के तहत खरीदे जाने वाले राफेल लड़ाकू जेट के शामिल होने से इस स्थिति में सुधार होगा।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने यह भी बताया कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो भारत इस वित्तीय वर्ष में एमआरएफए डील को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहा है। भारत ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद प्रक्रिया के तहत, फरवरी में फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार



(जी2जी) फ्रेमवर्क के तहत 114 राफेल लड़ाकू जेट खरीदने के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। उन्होंने भारत और फ्रांस के बीच चल रही बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने के लिए यह योजना लगभग दो दशक पहले शुरू की गई थी। इस परियोजना से जुड़ी कीमत पर बातचीत और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा जेट की आपूर्ति में हो रही देरी के बारे में जवाब देते हुए एयर चीफ मार्शल ने स्पष्ट कहा, इससे हमें नुकसान होगा। फरवरी 2021 में, रक्षा

मंत्रालय ने आईएएफ के लिए 83 तेजस एम्के-1ए जेट खरीदने के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये की डील की थी। विमान का पहला सेट मार्च 2024 में डिलीवर किया जाना था, हालांकि, अब तक आईएएफ को एक भी जेट नहीं मिला है। आईएएफ इन लड़ाकू विमानों को तत्काल शामिल करना चाहती है, क्योंकि इसके फाइटर स्क्वाड्रन की संख्या आधिकारिक तौर पर मंजूर 42 से घटकर 29 रह गई है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल सितंबर में आईएएफ के लिए 97 तेजस एम्के-1ए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए एचएएल के साथ 62,370 करोड़ रुपये की एक और डील की थी।

मताधिकार छीनने वाली कोई भी प्रक्रिया असंवैधानिक: जस्टिस भुइयां

हैदराबाद(ए)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने नागरिकों के मताधिकार पर गहरा चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। नालसार लॉ यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान, जस्टिस भुइयां ने एसआईआर पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नागरिकों को अपने मतदान के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी और संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि ऐसी प्रक्रियाओं को किसी भी दलील के माध्यम से उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का संविधान नागरिकों को दो वर्गों में नहीं बांटता- एक जिसे मतदान का अधिकार हो और दूसरा जिसे यह अधिकार प्राप्त न हो।

न्यायाधीश ने चेतावनी दी कि कोई भी ऐसी प्रक्रिया जिसके तहत व्यापक पैमाने पर भारतीय नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 (मताधिकार का अधिकार) और 14 (समानता का अधिकार) का सीधा उल्लंघन होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने वाली कोई भी व्यवस्था भारत के संवैधानिक ढांचे के विपरीत है और ऐसी प्रथाओं को किसी भी



कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस भुइयां नालसार में 19वें जस्टिस बीआर साहनी स्मारक स्पर्धा के बाद छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इसी कार्यक्रम में उन्होंने छात्रों की जमकर तारीफ की थी और उन्हें संविधान के अंतर्गत ही बहादुर बताया। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने इस देश ही नहीं पूरी दुनिया को बता दिया है कि एक कानून के छात्र को क्या करना चाहिए और कैसा होना चाहिए। गौरतलब है कि यह विवाद (सीजेआई) सूर्यकांत के निमंत्रण को लेकर उठ था, जिसका नालसार के छात्रों ने विरोध किया था। इस घटनाक्रम के बाद बार काउंसिल ऑफ

इंडिया ने छात्रों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला सुनाया था, जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। खुद सीजेआई ने भी स्पर्धा के बाद छात्रों को संबोधित कर कहा था कि उनके और छात्रों के बीच किसी की आने का अधिकार नहीं है। जस्टिस भुइयां ने अपने भाषण के दौरान इस पूरे विवाद का सीधे तौर पर कोई जिक्र नहीं किया, हालांकि उनके छात्रों को 'बहादुर' कहने को इस दिशा में देखा जा रहा है। उन्होंने संदर्भ में देखा जा रहा है। उन्होंने विषयविद्यालय के शिक्षकों और कुलपति श्रीकृष्ण देव राव की भी तारीफ की। हालांकि, उनके संबोधन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा एसआईआर और मताधिकार से जुड़े संवैधानिक सिद्धांतों पर उनकी बेबाक राय रही।

खुशखबरी! खाड़ी देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति युद्ध से पहले के स्तर तक पहुंची

नई दिल्ली,(ए)। वैश्विक तनाव के बीच होमुंज जलडमरूमध्य क्षेत्र से भारत एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। होमुंज से जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई थी हालांकि, अब खाड़ी के देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति युद्ध से पहले के स्तर तक पहुंच गई है। समुद्री खुफिया और शोध कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक 1 से 28 सितंबर तक ईरान को छोड़कर खाड़ी के देशों से प्रतिदिन औसतन 1.65 करोड़ बैरल कच्चे तेल का निर्यात किया गया, जो युद्ध-पूर्व के स्तर के बराबर है। यह भारत के लिए विशेष रूप से राहत की बात है, क्योंकि भारत अपनी कुल ऊर्जा का ज्यादातर हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। ईरान युद्ध के चरम पर मार्च में यह निर्यात घटकर 1.05 करोड़ बैरल प्रतिदिन रह गया था। युद्ध से पहले करीब 83 फीसदी कच्चा तेल होमुंज से होकर गुजरता था। इस रिकवरी का श्रेय वैकल्पिक पाइपलाइन मार्गों और तेल को एक जहाज से दूसरे जहाज में ट्रांसफर करने की व्यवस्था को दिया गया है। सितंबर में करीब 40 फीसदी तेल का निर्यात सऊदी अरब और यूएई की पाइपलाइनों के जरिये किया गया, जिन्हें होमुंज से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। सऊदी अरब ने अपनी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिये लाल सागर के तट पर स्थित यानबू तक तेल की आपूर्ति युद्ध-पूर्व के 8 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़ाकर जून में 43 लाख बैरल प्रतिदिन कर दी। इसी तरह यूएई ने अबू धाबी की कच्चे तेल की पाइपलाइन के जरिये फुजैरा बंदरगाह तक आपूर्ति को युद्ध-पूर्व के 11 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़ाकर 27 लाख बैरल प्रतिदिन कर दी है। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने बताया है कि उसके सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े दबाव को कम करने के लिए रणनीतिक भंडार से अब तक 32.5 करोड़ बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद जारी किए हैं। यह वैश्विक स्तर पर बाजार में तेल की उपलब्धता बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है।

जो समर्थन या लोग वोट दे रहे हैं, उनका पार्टी में शामिल होना जरूरी नहीं

पटना,(ए)। बिहार में विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव की सरगमियां तेज हैं। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जनसुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह का खुलाकर समर्थन किया है उनके इस कदम से सियासी हलचल तेज हो गई है। वहीं, कई तरह की अटकलें भी लगाई जा रही है कि अनंत सिंह के जनसुराज में शामिल होने को लेकर पहली बार प्रशांत किशोर ने बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनंत सिंह को लेकर उठे सवालों पर प्रशांत किशोर ने रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि हजारों लोग पार्टी का समर्थन कर रहे हैं, जो लोग वोट दे रहे हैं, उनका पार्टी में शामिल होना जरूरी नहीं है। अगर अनंत सिंह जनसुराज में आने का ऐलान करते हैं, तब पार्टी इस पर फैसला करेगी। पीके ने कहा कि जिसको सातवां वेतनमान चाहिए, वितरहित शिक्षकों को अपना मान और सम्मान चाहिए, बेरोजगार युवाओं को रोजगार चाहिए वे जनसुराज की विचारधारा से जुड़िए, फिर चाहे वह हो या कोई और किसी बाहुबली या धर्मबली का कोई महत्व नहीं है। अनंत सिंह का यह रुख जदयू के अंदरूनी विवाद का नतीजा माना जा रहा है। मोकामा विधायक अनंत सिंह और एमएलसी नीरज कुमार के बीच की लड़ाई अब जदयू के लिए बड़ी सिरदर्दी बन चुकी है। दोनों नेताओं के बीच गर इतनी बढ़ गई कि वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बाद भी मामला नहीं सुलझा। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को इसे सुलझाने का जिम्मा मिला था, लेकिन उन्होंने भी पल्ला झाड़ लिया। 7 सितंबर को पार्टी दफ्तर में बुलाई गई बैठक भी बेनतीजा रही। अनंत सिंह का आरोप है कि नीरज कुमार ने उनके घर में एके-47 रखवाकर उन्हें फंसवाया था। उन्होंने नीरज कुमार की जमानत जब्त कराने का दावा किया है। दूसरी ओर नीरज कुमार ने चुनौती दी कि अगर साक्ष्य हैं तो कोर्ट में जाएं। विवाद इतना बढ़ा कि नीरज कुमार ने अनंत सिंह पर तंज कसते हुए उन्हें 'बैऊर जेल का संत' कह दिया।

